मुहावरे एवं लोकोक्ति

PART→4

(1). आँखे फिरना — उपेक्षा करना / निरादर करना
(2). ईंट से ईंट बजाना — नष्ट भ्रष्ट कर देना / पूरी तरह से परास्त करना
(3). उंगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना — जरा सा सहारा
(4). सूरज को दिया दिखाना — किसी महान व्यक्ति की तुच्छ प्रशंसा करना
(5). घी के दिए जलाना — अत्यंत प्रसन्न होना
(6). चुल्लू भर पानी में डूब मरना — शर्म के मारे मुँह न दिखाना
(7). लकीर का फकीर होना — पुराने विचारों का होना
(8). हाथ के तोते उड़ना — होश गुम हो जाना
(9). चाँदी के जूते मारना — रुपए पैसा का लालच देना
(10). कलेजे पर साँप लेटना — डाह करना
(11). थूक कर चाटना — कही हुई बातों से मुकर जाना
(12). अंचल पकड़ना (थामना) — सहारा देना
(13). सिर पर पाँव रखकर भागना — तुरंत भाग जाना
(14). तिल का ताड़ बनाना — छोटी सी बात को बढ़ा देना
(15). नाक बच जाना — इज्जत बच जाना
(16). खेत रहना — युद्ध में शहीद होना

(17). घर का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध — घर के ज्ञानी को सम्मान नहीं

(18). कोई इर घाट तो कोई बीर घाट — ताल-मेल न होना

(19). आ बैल मुझे मार — जान-बूझकर मुसीबत में पड़ना

(20). आम के आम गुठलियों के दाम — दोहरा लाभ होना

(21). हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या → प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं

(22). आप डूबे तो जग डूबा — बुरा आदमी सबको बुरा कहता है

(23). तेल देखो तेल की धार देखो — रूख पहचानना

(24). ओखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर — कठिन काम शुरू करने पर कष्ट तो सहन करने ही पड़ते हैं

(25). जैसे बहे बयार, पीठ तब तैसी दीजे — समय का रूख देखकर काम करना चाहिए

(26). एक तो करेला आप तीता दूजा नीम चढ़ा — बुरे का और बुरे से संग होना

(27). चूहे के चाम से नगाड़े नहीं मढ़े जाते — सीमित साधनों से बड़े काम नहीं होते

(28). अपना सोना खोटा तो परखैया के का दोष — अपने ही लोग बुरे हो तो पराये व्यक्ति को क्या दोष दिया जाए।

(29). आग खायेगा तो अंगार छोलेगा — बुरे काम का बुरा नतीजा

(30). आँगे जाए धुरने टूटे, पीछे देखे आँख फूटे — जिधर जाएँ उधर ही संकट

(31). आदमी को ढाई गज़ कफन काफी है — इंसान को संतोष करना चाहिए

(32). आपा तजे तो हरि को भजे — स्वार्थ छोड़ने से ही परमार्थ होता है

(33). आस-पास बरसे दिल्ली पड़ी तरसे — जिसको आवश्यकता हो, उसे न मिले

(34). इतनी सी जान, गजभर जबान — अवस्था के हिसाब से अधिक बोलना

(35). करमहीन खेती करे, बैल मरे या सूख पड़े — दुर्भाग्य होने पर सभी काम बिगड़ते हैं।

(36). घड़ी में तोला, घड़ी में मासा; पल में तोला, पल में मासा। — अनिश्चित स्वभाव का व्यक्ति